(ख) उर्वरकों के संबंध में, मूल्य सरकार द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। इनके खुदरा मूल्य आयातित उर्वरकों के न-लाभ न-हानि मूल्य, देसी उद्योग की उत्पादन लागत और किसान की अदायगी क्षमता को दृष्टि में रखते हुए निर्धारित किए जाते हैं ।

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान म्यूरिएट आफ पोटाश के प्रत्येक पोत से माल उतराई के समय पक्के पर्यवेक्षकों द्वारा नमूने लिए गए थे । जहां तक गैर-पोटाशपूरक उर्वरकों का संबंध है, जब तक किसी ऐसी स्थिति की सूचना न मिले कि माल के नमूने निर्धारित मानक के अनुकूल नहीं हैं, तब तक गर-पोटाशपूरक उर्वरकों की जांच करने की आवश्यकता नहीं होती । ऐसे मामलों में माल की सुपुर्दगी से पूर्व मान्यताप्राप्त पर्यवेक्षकों के माध्यम से सर्वेक्षण करवाया जाता है । जिन मामलों में मूल अंश निर्धारित मात्रा के अनुकूल नहीं पाए गए हैं उनका ब्यौरा इकट्ठा किया जा रहा है और सभा पटल पर रख दिया जाएगा ।

दिल्ली विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लिए भवन निर्माण ऋण

2500. **श्री हरगोविन्द वर्मा** : क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार अपने कर्मचारियों को भवन-निर्माण के लिए ऋण देती है ?

(ख) यदि हां, तो क्या यह सुविधा दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्य करने वाले कर्मचारियों को दी जाती है; और

(ग) यदि हां, तो दिल्ली विश्वविद्यालय के कितने कर्मचारियों को यह सुविधा दी गई है; और यदि नहीं दी गई है तो इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्दर) : (क) जी हां ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) यह सुविधा सभी केन्द्रीय विश्व विद्यालयों के कर्मचारियों को देने का प्रस्ताव विश्व विद्यालयों के अनुदान आयोग के विचाराधीन है ?

Procurement during Rabi Season

2501. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) the total procurement during the rabi season at the end of June, 1977 and how does it compare with the performance of the previous year during this period as well as the procurement target; and

(b) whether there has been a considerable decline in the total procurement this year and if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) As per information available upto 30th June, 1977, a total quantity of 49.00 lakh tonnes of wheat has been procured during 1977-78 Rabi marketing season against 62.78 lakh tonnes procured during the corresponding period of the last season. For 1976-77 season a procurement target of 51.98 lakh tonnes of wheat was fixed but no procurement target of wheat has been fixed for the current Rabi marketing season.

(b) Even though procurement of wheat this year is more than last year in the States of Punjab and Haryana, there is an overall shortfall on account of lower procurement in other States. This is due partly